दिनांक 05 / 06 / 2022

प्रकाशनार्थ

एनसीसी कैडेट्स ने नुक्कड नाटक से बताई पर्यावरण संरक्षण की अहमियत

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के एन.सी. सी. कैडेटों द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु संगोष्ठी,सामाजिक जागरूकता कार्य , वृक्षारोपण,नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति की गई । जिसमें कैडेटों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के महानगर मंत्री श्री प्रशांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि हमें , हमारे गौरवशाली इतिहास एवं वैभवशाली परंपरा पर गर्व है, हमारी सनातन परंपरा हमें सिखाती है कि हमें प्रकृ ति के अनुकूल जीवन रचना करनी चाहिए । हम युवाओं कि जिम्मेदारी है कि हमें अपनी समृद्धशाली परंपरा के वाहक बनते हुए प्रकृति के अनुकूल जीवन रचना करें, जितना संभव हो अधिकाधिक वृक्षारोपण करें। कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए विश्वविद्यालय एन.सी.सी. के प्रभारी, प्रो. (कैप्टन) दिग्विजयनाथ मौर्या ने कहा कि हम वो आखिरी पीढ़ी हैं जो जो पर्यावरण दिवस मना रहे हैं, यदि हम आज सचेत नहीं हुए तो भविष्य में आने वाली पीढ़ियों के जीवन के लिए दिनचर्या की यह अनिवार्य दशा होगी , जीवन के दो मंत्र, प्रथम यथा संभव कम प्रदुषण करे दूसरा वृक्षारोपण ही पर्यावरण की समस्या का एकमात्र उपाय है । संपूर्ण विश्व के लोगों को पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका तय करनी होगी । हम अपने प्रियजनों को बेशकीमती उपहार देने के स्थान पर एक पौधा दें, वो बहुमूल्य होगा । इससे हम पर्यावरण के संरक्षण में अपना एक सशक्त भूमिका अदा कर सकेंगे । हम स्वयं जागकर समाज को जागरूक करें। कार्यक्रम के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विश्वविद्यालय एन.सी.सी. प्रभारी डा. (लेफ्टिनेंट) अनुपम सिंह ने कहा कि हमें किसी बड़ी अखबारी मुहिम का हिस्सा नहीं बनना बल्कि स्वयं से शुरूआत करना है, हम तय करें कि हममें से प्रत्येक एक वर्ष में एक पौधा लगाएंगे और पांच वर्ष तक उसकी देखभाल करेंगे, यह प्रक्रिया हमारे जीवनपर्यंत चलती रहेगी इससे हम एक स्वस्थ्य जीवन के श्रृजन में अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे।

Media and Public Relations Officer
Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur
University, Gorakhpur